

GUIDED POOJA SEVA



वाहन पूजा विधि

Vahana Pooja — Complete Vidhi & Mantras

नव वाहन स्वागत, सुरक्षा कवच और ईश्वरीय आशीर्वाद हेतु

यह मार्गदर्शिका पूजा का हर चरण — संकल्प, मंत्र, स्वस्तिक, नारियल-तर्पण, आरती और प्रथम यात्रा — पूर्ण विधि-विधान सहित सरल एवं व्यवस्थित क्रम में बताती है।

1. पूजा का उद्देश्य

वाहन केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा और दैनिक जीवन का अभिन्न अंग है। हिंदू परंपरा में वाहन को गतिशक्ति का प्रतीक माना जाता है और उसमें ईश्वरीय उपस्थिति का अनुभव किया जाता है। भगवान विश्वकर्मा (शिल्प और यंत्र के देवता), भगवान गणेश (विघ्ननाशक) और माँ दुर्गा (रक्षक शक्ति) की आराधना वाहन पूजा में की जाती है।

वाहन पूजा से दुर्घटना से रक्षा, यात्रा में शुभता, वाहन की दीर्घायु और सुचालन का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

महत्वपूर्ण: नए वाहन पर पहले प्रयोग से पहले पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है। विजयदशमी (दशहरा) पर सभी वाहनों की पूजा परंपरागत रूप से की जाती है।

2. वाहन पूजा के अवसर

अवसर	विवरण
नया वाहन	नई कार, बाइक, ट्रक आदि खरीदने पर — डीलरशिप से लाने से पहले या पहले दिन।
विजयदशमी (दशहरा)	वर्ष में एक बार — सभी वाहनों की आयुध पूजा के रूप में। सभी यंत्र-औजार की पूजा।
विश्वकर्मा पूजा	भाद्रपद/कन्या संक्रांति पर — यंत्र, मशीन और वाहन की वार्षिक पूजा।
दीपावली	दीपावली पर गैरेज/वाहन की सफाई और रोशनी के साथ पूजा।
दुर्घटना के बाद	वाहन की बड़ी मरम्मत या दुर्घटना के बाद पुनः शुद्धि और पूजा।
लंबी यात्रा से पहले	तीर्थयात्रा, लंबे रोड ट्रिप या महत्वपूर्ण यात्रा से पहले विशेष पूजा।

3. पूजा से पहले तैयारी

विषय	तैयारी
वाहन	वाहन को धोकर साफ करें। अंदर और बाहर दोनों। यदि नया वाहन है तो अच्छे से पोंछ लें।
स्थान	वाहन को खुली जगह या गैरेज के सामने रखें। सामने पूजा की जगह बनाएं।
यजमान	स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। परिवार साथ रहे।
दिशा	वाहन का मुख पूर्व या उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है।
प्रसाद	नारियल (तोड़ने हेतु), फल, मिठाई, पंचमेवा — सात्विक।

4. पूजा सामग्री सूची

- गणेश प्रतिमा/चित्र (छोटा)
- विश्वकर्मा चित्र/प्रतिमा
- कलश (जल भरा)
- लाल कपड़ा (चौकी हेतु)
- अक्षत (कच्चे चावल)
- रोली / कुमकुम
- हल्दी
- चंदन
- नारियल (2 — एक पूजा, एक तोड़ने हेतु)
- लाल/नारंगी फूलमाला (गेंदे की)
- नींबू (4 — चारों पहियों हेतु)
- मिर्च की माला (नजर दोष हेतु)
- दीपक + देसी घी
- धूप/अगरबत्ती
- कर्पूर (आरती हेतु)
- पान 5 पत्ते + सुपारी
- मिठाई / फल
- लाल मौली/राखी धागा
- गंगाजल
- आरती थाल

5. पूजा क्रम — संक्षिप्त विवरण

क्र.	चरण	विवरण
1	वाहन शुद्धि	वाहन पर गंगाजल छिड़कें — शुद्धि एवं पवित्रता हेतु।
2	गणेश पूजन	भगवान गणेश को रोली, अक्षत, फूल अर्पित करें।
3	विश्वकर्मा पूजन	यंत्र-देवता विश्वकर्मा जी को नमन — वाहन को उनका आशीर्वाद।
4	कलश स्थापना	जल-कलश की स्थापना और वरुण देव का आह्वान।
5	संकल्प	यजमान हाथ में जल-पुष्प लेकर संकल्प करें।
6	षोडशोपचार पूजन	वाहन को 16 उपचार अर्पित करें।
7	स्वस्तिक एवं ॐ चिह्न	कुमकुम से वाहन के बोनट, दरवाजों पर स्वस्तिक बनाएं।
8	फूलमाला एवं श्रृंगार	गेंदे की माला वाहन के दर्पण, बोनट और दरवाजों पर लगाएं।
9	नींबू स्थापना	चारों पहियों के नीचे नींबू रखें — नजर दोष निवारण।
10	नारियल तर्पण	वाहन के सामने नारियल तोड़ें — विघ्ननाश और शुभारंभ।
11	रक्षा सूत्र बंधन	स्टेयरिंग/हैंडल पर लाल मौली बाँधें — रक्षा कवच।
12	आरती	वाहन की आरती करें — परिवार के सभी सदस्य भाग लें।
13	प्रदक्षिणा	वाहन की 3 बार प्रदक्षिणा (परिक्रमा) करें।
14	प्रथम यात्रा	पूजा के बाद यजमान शुभ दिशा में प्रथम यात्रा करें।

6. विस्तृत पूजा विधि

6.1 वाहन शुद्धि

वाहन पर गंगाजल या शुद्ध जल छिड़कते हुए बोलें:

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

Om Apavitrah Pavitro Va Sarvavasthaam Gato'pi Va.

Yah Smaret Pundarikaksham Sa Bahyabhyantarah Shuchih.

अर्थ: पवित्र हो या अपवित्र, जो भगवान विष्णु का स्मरण करता है वह बाहर और अंदर से शुद्ध हो जाता है।

6.2 गणेश पूजन

ॐ गं गणपतये नमः। वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।

निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

Om Gam Ganapataye Namah. Vakratunda Mahakaya Suryakoti Samaprabha.

Nirvighnam Kuru Me Deva Sarvakaryeshu Sarvada.

अर्थ: हे गणपति, मेरे सभी कार्यों में विघ्न दूर करें। वाहन यात्रा में सदा रक्षा करें।

6.3 विश्वकर्मा पूजन

ॐ आधारशक्तये नमः। ॐ विश्वकर्मणे नमः।

विश्वस्य कर्ता विश्वस्य हर्ता विश्वस्य त्राता स विश्वकर्मा।

यः सर्वदा सर्वजगत् पाति तस्मै नमस्कारं विश्वकर्मणे॥

Om Adharashaktaye Namah. Om Vishvakarmane Namah.

Salutations to Vishwakarma — the creator, sustainer and protector of all craft and machinery.

अर्थ: हे विश्वकर्मा, इस वाहन-यंत्र के देवता आप हैं। इसे सुचालित और सुरक्षित रखें।

6.4 संकल्प

यजमान बायें हाथ में जल, पुष्प और अक्षत लेकर संकल्प करें:

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः।

अहं (यजमान का नाम) गोत्र (गोत्र का नाम)

मम सपरिवार यात्रा सुरक्षार्थ, वाहन दीर्घायु-सुचालनार्थ,

दुर्घटना-दोष निवारणार्थ च

श्री गणेश-विश्वकर्मा-दुर्गा प्रीत्यर्थ

वाहन पूजनं अहं करिष्ये।

I, (yajman's name), perform this Vahana Pooja for safe travel, long life of this vehicle, removal of accident-related doshas, and for the blessings of Lord Ganesha, Vishwakarma, and Mata Durga.

7. षोडशोपचार पूजन (16 उपचार)

वाहन के सामने रखी चौकी पर गणेश प्रतिमा को निम्न 16 उपचार अर्पित करें। साथ-साथ वाहन को भी समर्पित मानें।

#	उपचार	सामग्री	मंत्र
1	आवाहन	पुष्प, अक्षत	ॐ श्री गणेशाय नमः। आवाहयामि।
2	आसन	लाल कपड़ा	ॐ श्री गणेशाय नमः। आसनं समर्पयामि।
3	पाद्य	जल	ॐ श्री गणेशाय नमः। पाद्यं समर्पयामि।
4	अर्घ्य	जल + पुष्प	ॐ श्री गणेशाय नमः। अर्घ्यं समर्पयामि।
5	आचमन	जल	ॐ श्री गणेशाय नमः। आचमनीयं समर्पयामि।
6	स्नान	पंचामृत	ॐ श्री गणेशाय नमः। स्नानं समर्पयामि।
7	वस्त्र	लाल कपड़ा	ॐ श्री गणेशाय नमः। वस्त्रं समर्पयामि।
8	यज्ञोपवीत	मौली	ॐ श्री गणेशाय नमः। यज्ञोपवीतं समर्पयामि।
9	गंध	चंदन + रोली	ॐ श्री गणेशाय नमः। गंधं समर्पयामि।
10	पुष्प	लाल/नारंगी फूल	ॐ श्री गणेशाय नमः। पुष्पं समर्पयामि।
11	धूप	अगरबत्ती	ॐ श्री गणेशाय नमः। धूपं समर्पयामि।

#	उपचार	सामग्री	मंत्र
12	दीप	घी-दीपक	ॐ श्री गणेशाय नमः। दीपं समर्पयामि।
13	नैवेद्य	मोदक/मिठाई/फल	ॐ श्री गणेशाय नमः। नैवेद्यं समर्पयामि।
14	ताम्बूल	पान-सुपारी	ॐ श्री गणेशाय नमः। ताम्बूलं समर्पयामि।
15	दक्षिणा	सिक्का	ॐ श्री गणेशाय नमः। दक्षिणां समर्पयामि।
16	प्रदक्षिणा	—	ॐ श्री गणेशाय नमः। प्रदक्षिणां समर्पयामि।

8. वाहन विशेष अनुष्ठान

8.1 स्वस्तिक चिह्न निर्माण

कुमकुम या हल्दी से वाहन के बोनट, डैशबोर्ड और दरवाजों पर स्वस्तिक बनाएं। स्वस्तिक के चारों कोनों पर अक्षत के दाने रखें।

ॐ स्वस्तिन इन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्तिनः पूषा विश्ववेदाः।

स्वस्तिनस्ताक्षर्यो अरिष्टनेमिः स्वस्तिनो बृहस्पतिर्दधातु॥

Om Swastina Indro Vriddhasravah Swastinah Pusha Vishvavedah.

Swastinastaarkshyo Arishtanemih Swastino Brihaspatiraddhatu.

अर्थ: इंद्र, पूषा, गरुड़ और बृहस्पति हमें कल्याण प्रदान करें। यात्रा सुरक्षित रहे।

8.2 नारियल तर्पण (वाहन के सामने)

एक नारियल को वाहन के अगले पहियों के सामने रखें। मंत्र बोलते हुए नारियल को पहिये से तोड़ें।

ॐ विघ्ननाशाय नमः। ॐ गं गणपतये नमः।

इदं नारिकेलफलं विसर्जयामि — सर्वविघ्न नाशाय, यात्रा शुभाय।

Om Vighnanashaya Namah. Om Gam Ganapataye Namah.

I offer this coconut — may all obstacles be destroyed, may all journeys be auspicious.

परंपरा: नारियल तोड़ना — अहंकार/बाधाओं को तोड़ने का प्रतीक। फल वाहन के सामने ही छोड़ें।

8.3 नींबू — नजर दोष निवारण

चार नींबू चारों पहियों के नीचे रखकर वाहन धीरे-धीरे आगे चलाएं जिससे नींबू दब जाएं।

ॐ नजर दोष निवारणाय नमः।

बुरी नजर दूर हो, वाहन सुरक्षित रहे। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

परंपरा: नींबू में नकारात्मक ऊर्जा अवशोषित होती है — पहिये से दबाने पर वह नष्ट होती है।

8.4 रक्षा सूत्र बंधन

लाल मौली/राखी को स्टेयरिंग व्हील, बाइक के हैंडल या डैशबोर्ड पर बांधें।

येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः।

तेन त्वां प्रतिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल॥

Yena Baddho Bali Raja Danavendo Mahabalah.

Tena Tvam Pratibadhnami Rakshe Ma Chala Ma Chala.

अर्थ: जिस रक्षासूत्र से महाबली राजा बली को बाँधा गया, उसी से तुम्हें बाँधता हूँ — रक्षा करो, अटल रहो।

8.5 फूलमाला श्रृंगार

गेंदे की मालाएँ वाहन के बोनट, बैकमिरर और दरवाजों पर लगाएं।

ॐ पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि। वाहन देवताभ्यो नमः।

सुरक्षितं भव, दीर्घायुष्मान् भव।

यह श्रृंगार वाहन में देवत्व का भाव जागृत करता है और शुभता का प्रतीक है।

9. मुख्य मंत्र

वाहन रक्षा मंत्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।

वाहन रक्ष रक्ष। यात्रा सुरक्षिताम् कुरु। स्वाहा।

Om Namo Bhagavate Vasudevaya.

O Lord Vasudeva, protect this vehicle, make every journey safe.

गरुड़ गायत्री (यात्रा रक्षा)

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे सुवर्णपक्षाय धीमहि।

तन्नो गरुडः प्रचोदयात्॥

Om Tatpurushaya Vidmahe Suvarna-pakshaya Dhimahi.

Tanno Garudah Prachodayat.

अर्थ: गरुड़ देव — भगवान विष्णु के वाहन — हमारी यात्रा प्रेरित करें और हमें सुरक्षित रखें।

महामृत्युञ्जय (दीर्घ यात्रा हेतु)

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।

उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥

Om Tryambakam Yajamahe Sugandhim Pushtivardham.

Urvarukamiva Bandhanan Mrityor Mukshiya Mamritat.

अर्थ: हे त्रिनेत्र भगवान, हमें मृत्यु के बंधन से मुक्त करें — जैसे पका फल वृंत से। अमरत्व दें।

यात्रा प्रारंभ मंत्र

ॐ कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने।

प्रणतक्लेशनाशाय गोविन्दाय नमो नमः॥

Om Krishnaya Vasudevaya Haraye Paramatmane.

Pranatakleshanashaya Govindaya Namo Namah.

यात्रा में बैठते समय इस मंत्र का स्मरण करें। भगवान कृष्ण सारथी के रूप में रक्षा करें।

10. वाहन आरती

जय जय वाहन देवा, प्रभु जय जय वाहन देवा।

गणेश विश्वकर्मा, माँ दुर्गा देवा॥ (टेक)

नव वाहन आज हमारा, आया घर में प्यारा।

तुम्हारे चरणों पर अर्पण, स्वीकार करो हमारा॥ (जय...)

रोली अक्षत फूल चढ़ाएं, धूप दीप जलाएं।

नारियल तोड़ें द्वार पर, मंगल शुभ मनाएं॥ (जय...)

हर यात्रा में रक्षा करो, सुरक्षित घर लाओ।

दुर्घटना से बचाते रहो, आनंद भरो जीवन में॥ (जय...)

जय जय वाहन देवा, प्रभु जय जय वाहन देवा।

गणेश विश्वकर्मा, माँ दुर्गा देवा॥

11. प्रदक्षिणा एवं प्रथम यात्रा

आरती के बाद यजमान और परिवार मिलकर वाहन की **3 बार प्रदक्षिणा** (परिक्रमा) करें।

ॐ यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।

तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणा पदे पदे॥

May all sins and negativities accumulated over lifetimes be destroyed with every step of this pradakshina.

प्रदक्षिणा के बाद **प्रथम यात्रा** — यजमान स्वयं वाहन चलाकर नजदीकी मंदिर, उत्तर या पूर्व दिशा में जाएं।

12. क्षमा प्रार्थना

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम्।

पूजाविधिं न जानामि क्षमस्व परमेश्वर॥

मंत्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।

यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥

O Lord, forgive all errors in invocation, ritual, or devotion. May this worship, however imperfect in form, be complete in your grace.

13. पूजा में भूमिकाएँ

भूमिका	करने वाले	कार्य
मुख्य यजमान	वाहन स्वामी	संकल्प, नारियल तर्पण, रक्षा सूत्र बंधन, प्रथम यात्रा।
मंत्र-पाठ	स्वयं यजमान अथवा पुजारी	जो भी उपस्थित होकर मंत्रोच्चारण करें।
यजमान पत्नी	गृहिणी	आरती थाल तैयार करना, स्वस्तिक बनाना, फूलमाला लगाना।
परिवार	सभी सदस्य	प्रदक्षिणा में साथ चलें, आरती में भाग लें, प्रसाद वितरण।
बच्चे	परिवार के बच्चे	फूल अर्पित करें, आरती में घंटी बजाएं।

14. यजमान विशेष निर्देश

- पूजा के दिन वाहन को साफ धोकर तैयार रखें — पूजा से पहले गंदा वाहन अशुभ माना जाता है।
- वाहन का मुख पूर्व या उत्तर दिशा में रखें।
- नारियल तोड़ने के बाद उसका जल वाहन के पहियों पर डालें।
- पूजा के बाद वाहन के डैशबोर्ड पर गणेश या दुर्गा माँ की छोटी प्रतिमा/स्टिकर लगाएं।
- मौली/राखी को कम से कम एक महीने बाँधे रहने दें।
- प्रथम यात्रा में प्रसाद साथ ले जाएं — मंदिर में अर्पित करें।
- नींबू कुचलने के बाद उन्हें उठाकर दूर चौराहे पर फेंकें।
- पूजा के दिन वाहन को किसी को उधार न दें।

15. संकल्प पत्र

विवरण	भरें
यजमान का नाम	
गोत्र	
वाहन का प्रकार (कार/बाइक/ट्रक)	
वाहन का नंबर	
पूजा का कारण (नया/वार्षिक/यात्रा)	
विशेष कामना	
पूजा की तिथि एवं स्थान	

वाहन पूजा विधि | Vahana Pooja Vidhi | Version 1.0 | Dharma Path USA Foundation
यह दस्तावेज़ Guided Pooja Seva हेतु निर्मित है। इसमें पूजा की पूर्ण विधि और मंत्र क्रमबद्ध रूप से दिए गए हैं।